ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

मन, वचन या कर्म से किसी को कष्ट न देना ही अहिंसा है

"मैं" से मुक्त व्यक्ति ही स्वयं को उपलब्ध होता

Quality of Thoughts

फरिश्ता

मन के बंधनों से मुक्त बनें,
मन के व्यर्थ संकल्प भी
फरिश्ता नहीं बनने देंगे।
फरिश्ता बनना है तो अपने सर्व
रिश्ता एक परमात्मा के साथ जोड़ें।

SAMARPAN

अटेन्शन और एक्यूरेसी - यह दोनों ही बातें याद रहती हैं। ऐसे ही आप लोग भी अब स्टेज पर एक्ट करके बापदादा को प्रत्यक्ष करने के लिए जा रहे हो। तो यह दोनों ही बातें याद रखना। हर सेकेण्ड, हर संकल्प में अटेन्शन और एक्यूरेट। नहीं तो बापदादा को प्रत्यक्ष करने का श्रेष्ठ पार्ट बजा नहीं सकेंगे। तो अब समझा, क्या करने जा रहे हो? बापदादा को प्रत्यक्ष करने का पार्ट प्ले करने जा रहे हो। यह लक्ष्य रखकर के जाना। जो भी कर्म करो पहले यह देखो कि इस कर्म द्वारा बापदादा की प्रत्यक्षता होगी? ऐसे भी नहीं कि सिर्फ वाणी द्वारा प्रत्यक्ष करना है। लेकिन हर समय के, हर कर्म द्वारा प्रत्यक्ष करना है। ऐसे प्रत्यक्ष करो जो सभी आत्माओं के मुख से यह बोल निकले कि यह तो एक- एक जैसे साक्षात् बाप के समान हैं। आपका हर कर्म दर्पण बन जाए, जिस दर्पण से बापदादा के गुणों और कर्त्तव्य का दिव्य रूप और रूहानियत का साक्षात्कार हो। लेकिन दर्पण कौन बन सकेगा? जो न सिर्फ संकल्पों को लेकिन इस देहाभिमान को भी अर्पण करेगा। जो देहाभिमान को अर्पण करता है उसका हर कर्म दर्पण बन जाता है, जैसे कोई चीज अर्पण की जाती है तो फिर वह अर्पण की हुई चीज़ अपनी नहीं समझी जाती है। तो इस देह के भान को भी अर्पण करने से जब अपनापन मिट जाता है तो लगाव भी मिट जाता है। ऐसे समर्पण हुए हो? ऐसे समर्पण होने वालों की निशानी क्या रहेगी? एक तो सदा योगयुक्त और दूसरा सदा बन्धनमुक्त। जो योगयुक्त होगा वह बन्धन- मुक्त ज़रूर होगा। योगयुक्त का अर्थ ही है देह के आकर्षण के बन्धन से भी मुक्त। जब देह के बन्धन से मुक्त हो गये तो सर्व बन्धन मुक्त बन ही जाते हैं। तो समर्पण अर्थात् सदा योगयुक्त और सर्व बन्धन मुक्त। यह निशानी अपनी सदा कायम रखना। अगर कोई भी बन्धनयुक्त होंगे तो योगयुक्त नहीं कहलायेंगे। जो योगयुक्त होगा तो उनकी परख यह भी होगी - जो उनका हर संकल्प, हर कर्म योगयुक्त होगा। क्योंकि जो भी युक्तियाँ सर्व प्रकार की मिली हैं उन युक्तियों की धारणाओं के कारण युक्तियुक्त और योगयुक्त रहेंगे। समझा, परख की निशानी? इससे अपने आपको समझ सकते हो कि कहाँ तक पहुँचे हैं, इसलिए कहा कि संग्रह और संग्राम की शक्ति, दोनों भरकर जाना। रिजल्ट क्या देखी? सर्टिफिकेट मिला? एक, अपने आप से सेटिस्फाइड होने का सर्टिफिकेट लेना है, दूसरा, सर्व को सेटिस्फाइड करने का सर्टिफिकेट लेना है। तीसरा, सम्पूर्ण समर्पण बनने का।--18-03-1971

चेहरे व चलन से सेवा करने की विधि

बापदादा- 19-02-2012

अभी से आपके चेहरे पर व्यर्थ की समाप्ति और सदा स्मृति स्वरूप की झलक चेहरे और चलन में आनी चाहिए। यह माया के जो शब्द हैं ना! क्या, क्यों, कब, कैसे... यह समाप्त हो जाएं तब चेहरा और चलन सेवा करेंगे। अभी ज्यादा प्रभाव भाषणों का है। बापदादा खुश है भाषण बहुत अच्छे कर रहे हैं लेकिन दिनप्रतिदिन अभी जैसे यह भाषणों द्वारा, वाणी द्वारा सेवा का उमंग अच्छा रखा और सफलता भी पाई, ऐसे ही अभी समय प्रमाण आपकी ज्यादा सेवा चहेरे और चलन से होगी उसका अभ्यास, जैसे भाषणों का अभ्यास करते-करते होशियार हो गये हो ना! ऐसे अभी चेहरे और चलन से किसी को खुशी का वरदान दो, यह अभ्यास करो क्योंकि समय कम मिलेगा इसलिए समय और संकल्प का महत्व रखते हुए आगे बढ़ते जाओ। होना सब अचानक है।

ओम् शान्ति

अव्यक्त बापदादा

अभी तो वाणी द्वारा बदलने का कार्य चल रहा है। अभी वृत्ति द्वारा वृत्तियाँ बदलें, संकल्प द्वारा संकल्प बदल जाएं। अभी यह रिसर्च तो शुरू भी नहीं की है। थोड़ा-थोड़ा किया तो क्या हुआ? यह सूक्ष्म सेवा स्वत: ही कई कमजोरियों से पार कर देगी।

18.01.86

अपनी हार को अपना अंत मत समझो, अपनी मेहनत को दोष ना दो,कामयाबी की राह में हार तो आएगी पर वही हार तुम्हें कामयाबी की तरफ भी ले जाएगी

शुक्रिया बाबा शुक्रिया

ज्योतिर्बिन्दु
परमपिता शिव परमात्मा

मनुष्य रूद्र यज्ञ रचते हैं कि
शान्ति हो अर्थात् विनाश न हो
लेकिन रूद्र शिवबाबा ने
रूद्र यज्ञ रचा है कि
इस यज्ञ से विनाश ज्वाला निकले
और भारत स्वर्ग बनें
इस रूद्र ज्ञान यज्ञ से तुम
नर से नारायण अर्थात्
मनुष्य से देवता
बन जाते हो

Om Shanti

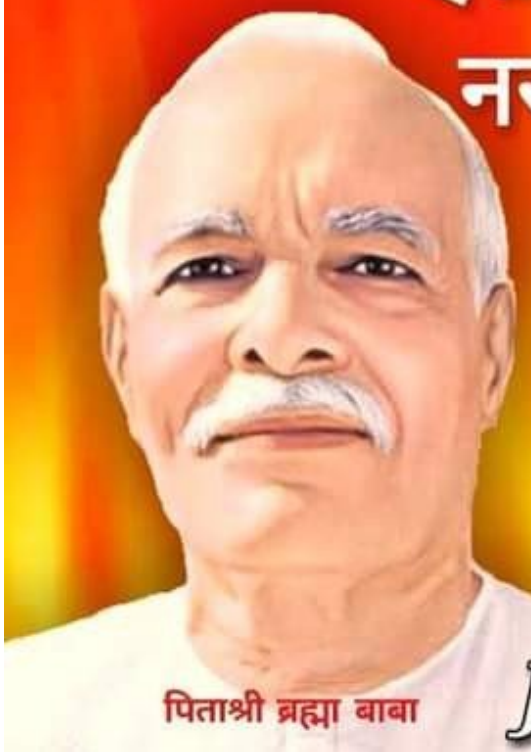

पिताश्री ब्रह्मा बाबा

Join Brahma Kumaris

The more humble we are, the more we will be respected by all

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org